Seventeenth Loksabha

>

Title: Need to provide compensation to farmers who suffered damage and loss of crops caused by strong winds and incessant rains in Chhattisgarh - Laid

श्री चुन्नी लाल साहू (महासमुन्द): सभापति महोदया, छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा कहते हैं, यहां की 80 प्रतिशत आबादी कृषि और इससे संबंधित गतिविधियों में जुड़कर अपनी आजीविका चलाते हैं । पिछले महीने पूर्वी हवाओं के साथ चक्रवाती तूफान ने तबाही मचायी एवं 24 घंटे की बेमौसम बारिश हुई । मौसम विभाग के अनुसार 42.8 मिलीमीटर बारिश आंकी गई । साथ ही इस बारिश का सिलसिला रूक-रूक कर अनेकों दिन तक चलता रहा । ... (व्यवधान) इस वजह से खेतों में फसल के झुकने एवं गीले होने से कीट-पतंगों का प्रकोप भी बढ़ा जिससे फसल की तबाही हुई । अधिक फसल देने वाले अर्ली वैरायटी फसल लगाने वाले कृषकों को अत्यधिक नुकसान हुआ जिसकी भरपाई कर पाना मध्यम और निम्नवर्गीय किसानों के लिए असंभव है । स्वयं किसान होने के कारण मैं कृषक भाइयों की अंतर्दशा को समझ सकता हूं तथा जनप्रतिनिधि होने के नाते सदन के माध्यम से सरकार से मेरी गुजारिश है कि जिन किसानों को नुकसान हुआ है उनका सर्वे करवा कर उन किसानों को मुआवजा दिया जाए ।

माननीय सभापति: श्री सुभाष चन्द्र बहेड़िया - उपस्थित नहीं ।

श्रीमती रंजीता कोली - उपस्थित नहीं ।

डॉ. किरिट पी. सोलंकी - उपस्थित नहीं ।